

FUSIFLEX

FOMESAFEN 11.1% w/w + FLUAZIFOP-P-BUTYL 11.1% w/w SL (HERBICIDE)

Fomesafen 11.1% w/w + Fluzafop-p-butyl 11.1% w/w SL is a selective post-emergence herbicide, recommended for the control of both grasses and broad leaf weeds in Soybean and Groundnut.

Chemical Composition :

Fomesafen a.i.	11.1% (w/w)
Fluzafop-p-butyl a.i.	11.1% (w/w)
Emulsifier: Copolymer butanol PO/EO	7.11% (w/w)
Condensation product of castor oil and ethylene-oxide	11.1% (w/w)
Antifreeze: Polyethylene glycol	17.78% (w/w)
Preservative: 1,2-benzothiazol-3(2H)-one (as a 20% solution)	0.05% (w/w)
Neutralizing agent: Sodium hydroxide 50% solution	10.0% (w/w)
Solvent: Water	QS
Total	100.0% w/w

*The quantity of sodium hydroxide may vary depending upon neutralization and achieving required pH.

Application & Recommendation for use: When used as per the recommendations given below, Fomesafen 11.1%w/w + Fluzafop-p-butyl 11.1%w/w SL provides the post-emergence control of grassy & broad leaf weeds in Soybean and Groundnut.

Crop	Scientific name of the weed	Dosage per ha		Time and No. of Application	Water Volume Dilution in water (L/ha)	Waiting period from last spray to harvest (in days)
		AI (g)	Formulation (ml)			
Soybean	Echinochloa colona, Digitaria spp., Eleusine indica, Dactyloctenium aegyptium, Brachiaria reptans, Commelina benghalensis, Digera arvensis, Trianthema spp., Phyllanthus niruri, Aclypa indica, Dinebra arabica	250	1000	Early post emergence at 2-5 leaf stage of weeds at optimum soil moisture conditions (Single application)	500	71
	Echinochloa colona, Digitaria spp., Eleusine indica, Dactyloctenium aegyptium, Brachiaria mutica, Eluropus villosus, Indigofera glandulosa, Chloris barbata, Trianthema spp., Digera arvensis, Cleom viscosa, Phyllanthus niruri, Amaranthus viridis, Cyperus spp.	250	1000	Early post emergence at 2-5 leaf stage of weeds at optimum soil moisture conditions	500	82

Recommendations for use:

Apply once after sowing as early post emergence at 2 – 5 leaf stage of weeds under optimum soil moisture condition, when weeds are actively growing.

Method of application: Spray the herbicide using a knapsack sprayer fitted with flat fan nozzle. Apply the herbicide in sufficient quantity of water to ensure thorough coverage of the weed foliage.

Resistance management

The repeated use of herbicides with the same mode of action could lead to selection of resistant weed. Therefore, do not continuously use same herbicide (of same mode of action) in next crop season and whenever required, prefer the spray of herbicide with different mode of action in each crop season. Certain agronomic practices may reduce the likelihood that resistant weeds will arise. In fields where resistant weeds are suspected, use integrated resistance management strategies.

- HRAC Group code:** Fomesafen(E)and Fluzafop-p-butyl(A)
- Chemical class & Mode of Action:** Fomesafen (Diphenylether) inhibits protoporphyrinogen oxidase and Fluzafop-p-butyl(Arloxyphenoxy-propionate)inhibits acetyl CoA carboxylase.

Storage:

- The packages containing the herbicides should be stored in original containers in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles particularly articles of food or shall be kept in separate almirahs under lock and key.
- The rooms or premises meant for storing the herbicide shall be well ventil, dry well lit and ventilated and of sufficient dimension to avoid contamination with vapour.

Precautions: Do not use cooking utensils for preparing the spray solution. Use stick for stirring the spray solution. Avoid contact with skin, eyes and clothing. Avoid inhalation of fog and vapors. Wear hand gloves to avoid contact with the skin. Wear protective clothing, mask, goggles, and boots, while handling the product. Do not eat, drink or smoke while applying the product. Wash hands with soap and plenty of water and change clothes after the work is over. Avoid contamination of air and water bodies with the herbicide. The product should not be used near aquaculture. Also wash the contaminated clothes.

Disposal of empty containers:

- Packages or surplus materials and washings from the machines and containers should be disposed off in a safe manner as to prevent environmental and water pollution.
- The used packages shall not be left outside to prevent their reuse.
- Packages shall be broken and buried away from habitation.

Symptoms of Poisoning: Symptoms like Malaise, Malaise, vomiting, muscle weakness, difficulty breathing, bradycardia, excessive sweating, oliguria etc may occur. Drowsiness, dizziness, loss of coordination and fatigue is common symptoms in case of large quantity ingested. Vomiting and severe pulmonary congestion, followed by difficulty breathing and coma is common symptoms if inhaled in small quantity.

First Aid: Remove the affected person to a well-ventilated area or fresh air and protect him from undercooling. IN CASE OF SKIN CONTACT: Remove contaminated clothing and thoroughly wash the affected parts of the body with soap and water. IN CASE OF EYE CONTACT: Rinse eyes with clean water for several minutes. IN CASE OF INGESTION: Repeatedly administer medicinal charcoal in a large quantity of water. Get the attention of the medical doctor immediately. NOTE: Do not induce vomiting or never give anything by mouth to an unconscious person.

Antidote: No specific antidote is known. Apply symptomatic therapy.

Manufactured by: Syngenta India Limited, Amar Paradigm, S. No. 110/11/3, Baner Road, Pune-411 045.

Factory Address: Village Nimbuza, Tehsil Dera Bassi, District SAS Nagar (Mohali), Punjab – 140201.

फ्युजिफ्लेक्स

फोमेसाफेन ११.१% भार/भार +

फ्लुआजिफॉप-पि-ब्यूटाईल ११.१२% भार/भार एस.एल.
(खरपतवारनाशक)

फोमेसाफेन ११.१% भार/भार + फ्लुआजिफॉप-पि-ब्यूटाईल ११.१२% भार/भार एस.एल. एक चुनिंदा खरपतवारनाशक है जिसकी सिफारिश सोयाबीन तथा मूँगफली में घासकुलवाले एवं चोड़ी पत्ती वाले जलित के खरपतवारों के उभने के बाद निरंत्रण के लिये की जाती है।

संचना:

फोमेसाफेन स.ल.:	११.१% भार/भार
फ्लुआजिफॉप-पि-ब्यूटाईल स.ल.:	११.१% भार/भार
एमुल्सीफियर: कोपोलिमर ब्यूटे नोल पीओ/ईओ	७.११% भार/भार
कंडनसेशन प्रोडक्ट ऑफ कास्टर ऑयल और इथाईलीन आक्साइड:	११.१% भार/भार
एंटीफ्रीज: पालीइथायलीन ग्लायकोल:	१७.७८% भार/भार
प्रिजर्वेटिव: १,२-बेंजिसोथियाजोल-३(२ एच)-ओन (२०% घोल की तरह) :	०.०५% भार/भार
नीउट्रलाइजि.ग.एजेंट: सोडियम हाइड्रॉक्साइड का ५०% घोल:	१०.०% भार/भार
साल्वेन्ट: पानी	पर्याप्त मात्रा
कुल:	१००.०% भार/भार

*उदासीकरण की प्रक्रिया एवं पीएच की जरूरत के अनुसार सोडियम हाइड्रॉक्साइड की मात्रा में परिवर्तन हो सकता है।

इस्तेमाल का तरीका और सिफारिश : नीचे दिये गये सिफारिशों की अनुसार फोमेसाफेन ११.१% भार/भार + फ्लुआजिफॉप-पि-ब्यूटाईल ११.१% भार/भार एस.एल. का इस्तेमाल सोयाबीन तथा मूँगफली में घासकुल वाले एवं चोड़ी पत्ती वाले जलित के उभने के बाद निरंत्रण के लिये किया जाता है।

फसल	खरपतवार का सामान्य नाम	मात्रा प्रति हेक्टेयर		प्रयोग का रूप एवं संख्या	पानी की मात्रा (पानी का घोल लीटर/हेक्टेयर)	अंतिम छिड़काव और फसल की कटाई के बीच अंतराल (दिन)
		सक्रिय तत्व (ग्रा)	संचना (मि.ली.)			
सोयाबिन	सोया (एफिनोलोआ कोलोमम), बनरा (डि जिटे रिया स्पीशीज), कोदों घास (ईन्गुसिन इंडिका), मकड़ा घास (इब्टीलोक्टैनियम एफिगटीएम), बघदाट (अक्रियारिया रेक्टानस), ट्राअथमा स्पीशीज, ककरा (कमेलिना बेंगलेंसिस), डाईजीरा अवेसिस, फाल्गलेस निरूरी, अक्लीका इंडिका, दिनवरा अवेसिका	२५०	१०००	खरपतवारों के उभने के बाद उन की २-५ पत्तियों की अवस्था पर (एच मिट्टी में पर्याप्तपानी होने पर (एक बार प्रयोग)	५००	७१
मूँगफली	सोया (एफिनोलोआ कोलोमम), बनरा (डि जिटे रिया स्पीशीज), कोदों घास (ईन्गुसिन इंडिका), मकड़ा घास (इब्टीलोक्टैनियम एफिगटीएम), बघदाट (अक्रियारिया मुटिका), एलुटोस फिलोसुर, इंडीगोफेरा फ्लॉकुलासा, सिहूर (क्लोसिस बाबुटा), ट्राअथमा स्पीशीज, डाईजीरा अवेसिस, फिल्लुस निरूरी, कलिओम बिसकोसा, अम्मारथुस थिरीडिस, सिरेस सय.	२५०	१०००	खरपतवारों के उभने के बाद उन की २-५ पत्तियों की अवस्था पर (एच मिट्टी में पर्याप्तपानी होने पर	५००	८२

इस्तेमाल के लिए सिफारिश:

बीज बोने (बुवाई/बिजाई) के पश्चात खरपतवार उभने के बाद जब २-५ पत्तियों की अवस्था में हो तथा खेत की मिट्टी में पर्याप्तपानी हो और खरपतवार सक्रिय अवस्था में हो तो केवल एकबार प्रयोग किया जाना चाहिए।

प्रयोग के लिए निर्देश: खरपतवारनाशक को नैपसाक स्प्रेयर (फ्लैट फैन नोजल) से छिड़काव करें। खरपतवारनाशक को निश्चित मात्रा के पानी में अच्छी तरह घिसा करके घोल से अच्छी तरह छिड़काव कीजिए।

प्रतिरोध प्रबंधन: लगातार एक ही खरपतवारनाशक के इस्तेमाल होने से प्रतिरोधी खरपतवारों के चयन में वृद्धि होने की संभावना हो सकती है। अतः एक ही तरह के खरपतवारनाशक (एक ही तरह से काम करने वाले) को अगले फसल चक्र में लगातार इस्तेमाल नहीं करें। जहाँ लक्ष्यवश हो, हर फसल चक्र में अलग तरह से काम करने वाला अलग खरपतवारनाशक इस्तेमाल करें। इस वृद्धि को काबू में लाने के लिए कई अन्य शैली योग्य एकीकृत प्रतिरोध प्रबंधन योजनाओं के इस्तेमाल की सिफारिश की जा सकती है।

एच.आर.ए.सी. गुण कोड: फोमेसाफेन (ई) और फ्लुआजिफॉप-पि-ब्यूटाईल (ए)

सामयानिक समूह तथा कार्याधि: फोमेसाफेन (डाइफेनिलेथर) प्रोटोपेरफॉफेनोक्विन ऑक्सीडेज को रोकता है एवं फ्लुआजिफॉप-पि-ब्यूटाईल (अरलोक्सीफिनाक्विन-प्रोपीयोनेट) एसिटायलको ए कार्बोक्सिलेज को रोकता है।

भण्डारण:

- खरपतवारनाशक के डिब्बों को अन्य सामग्री विशेषकर खाद्य पदार्थों के संग्रहण कक्ष या स्थान से दूर किया जाना चाहिए अथवा खरपतवारनाशक की मात्रा तथा रसायन पर निम्न करते हुए, डिब्बों को अलग अलगमशी में ताला-बन्धी लगा कर रखें।
- खरपतवारनाशक का संग्रहण कक्ष या स्थान रोशनीदार, मजबूत बनावत का हवादार तथा पर्याप्त लम्बाई चौड़ाई का होना चाहिए, जिससे बाष्प द्वारा प्रदूषण न हो।

सावधानी: स्प्रे तैयार करने के लिए एलना पकाने के बर्तनों का इस्तेमाल मत कीजिए। स्प्रे के घोल को हिलाने के लिए लकड़ी का प्रयोग करें। लवच, अंबि, और मूँह को खरपतवारनाशी के संपर्क से बचाये तथा श्वास द्वारा अंदर जाने से रोके। सुरक्षात्मक कपड़े जैसे कि पैण्ट, वस्त्रांग, नकाब और गम बूट आदी पहन कर ही इस्का प्रयोग करें। खरपतवारनाशक का प्रयोग करते समय, खाना, पीना और धुपान करना नहीं चाहिए। प्रति दिन प्रयोग के बाद, खरपतवारनाशकसे प्रभावित हिस्सों को अच्छी तरह धो ले और कपड़ा बदल ले। ये खरपतवारनाशक को मछली पालन वाली जगहों के पास इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। दूषित कपड़ों को अच्छी तरह धो लें।

खाली डिब्बों का निपटारा:

- पर्यावरण का प्रदूषण बचाने के लिए खाली डिब्बे, बचा हुआ घोल, मशीनों की धोवन और डिब्बों का निपटारा सुरक्षित स्थान पर रखें।
- खाली डिब्बों का पुनः प्रयोग रोकने के लिए, उन्हें बाहर न छोड़ें।
- डिब्बों को तोड़-मोड़कर आबादी से दूर जंगल में गाड़ देना चाहिए।

विषधरता के लक्षण: अस्वस्थता, उलटी, मांसपेशियों में कमजोरी, साँस लेने में कठिनाई, मंदस्वदन, अत्यधिकतापमान, श्वास की कमी जैसे लक्षण हो सकते हैं। अधिक मात्रा निगल जाने पर उर्मीदायन, चक्कर आना, समन्वय का अभाव जैसे आम लक्षण हो सकते हैं। साँस के द्वारा छोड़ी मात्रा अन्दर जाने से उलटी, फेफड़ों में गंभीर जमाव, साँस लेने में कठिनाई और कोमा जैसे आम लक्षण हो सकते हैं।

प्राथमिक उपचार: प्रभावित व्यक्ति को प्रदूषित जगह से हटाकर कमरे या खुली हवा में ले जाए और तापमान से बचाए। लवच में लगे पर: प्रदूषित कपड़ों को उतार दें तथा शरीर के प्रभावित हिस्सों को साबुन और पानी से अच्छी तरह धोएं। आँखों में चले जाने पर: आँखों को कुछ देर तक साफ पानी से अच्छी तरह धुएँछाएँ। निगल जाने पर: पानी में मेडिसिनल चारकोल की काफी मात्रा घोलकर बार बार दें और तुलस टावरक को बुलाएँ। **सूचना:** यदि मरीज बेहोश हो तो, मुँह से कुछ न दें। उलटी कराने की कोशिश न करें।

विष प्रतिहार दवा: कोई खास विष प्रतिहार नहीं है, लक्षण के अनुसार चिकित्सा करें।

निर्माता: सिंजेंटा इंडिया लिमिटेड, अमर पंजाब, एस.नं. ११०/११/३, बानेर रोड, पुणे-४११ ०४५.

कैबटरी का पता:

ग्राम निम्बुआ, तहसील डेरा बारी, जिला एस्एएस नगर (मोहाली), पंजाब-१४० २०१.

फ्युझीफ्लेक्स

फोमेसाफेन ११.१% डब्ल्यु/डब्ल्यु +

फ्लुआजिफॉप-पी-बुटील ११.१% डब्ल्यु/डब्ल्यु एसएल
(तणनाशक)

फोमेसाफेन ११.१% डब्ल्यु/डब्ल्यु + फ्लुआजिफॉप-पी-बुटील ११.१% डब्ल्यु/डब्ल्यु एसएल हे एक निचकट तण उपव्यवहानंतर फवारण्याचे तणनाशक असून सोयाबीन व भुईमूग पिकांमध्ये उभणवणाया गवत व रुंद पानाच्या अशा दोन्ही तणांवर नियंत्रणासाठी शिफारस करण्यात येते.

रासायनिक संरचना:

फोमेसाफेन ए. आय.	११.१% डब्ल्यु/डब्ल्यु
फ्लुआजिफॉप-पी-बुटील ए. आय.	११.१% डब्ल्यु/डब्ल्यु
एमुल्सिफायर : कोपोलिमर ब्युटानोल पीओ/ईओ	७.११% डब्ल्यु/डब्ल्यु
एरडेल आणि एथिलीन-ऑक्साईड आसूण केलेला पदार्थ	११.१% डब्ल्यु/डब्ल्यु
ऑन्टिफ्रीज : पॉलिप्रथिलिन ग्लायकोल	१७.७८% डब्ल्यु/डब्ल्यु
रक्षणसाधक : १,२-बेन्जिसोथियाजोल-३(२ एच)-एक (२०% द्रावण म्हणून)	०.०५% डब्ल्यु/डब्ल्यु
न्यूट्रल करणारे माध्यम : सोडियम हायड्रॉक्साईड ५०% द्रावण	१०.०% डब्ल्यु/डब्ल्यु
द्रावक : पाणी	पर्याप्त मात्रा
एकूण :	१००.०% डब्ल्यु/डब्ल्यु

*न्युट्रल करण्यावर व सामू निळवण्यावर आधारित सोडीयम हायड्रॉक्साईडचे प्रमाण कमी जास्त असू शकते.

वापर व वापरण्यासाठी शिफारस : घुडे दिलेल्या शिफारशीनुसार वापरल्यास फोमेसाफेन ११.१% डब्ल्यु/डब्ल्यु + फ्लुआजिफॉप-पी-बुटील ११.१% डब्ल्यु/डब्ल्यु एसएल ते सोयाबीन व भुईमूग पिकांमध्ये उभणवणाया गवत व रुंद पानाच्या अशा दोन्ही तणांवर नियंत्रण ठेवते.

बीक	तणाचे शास्त्रीय नाव सामान्य नाम	प्रती हेक्टर डोस		वापरण्याची वेळ आणि नं.	पाण्याचे द्रावण (लि./हेक्टर)	अंतिम फवारीत ते काणीपर्यन्ता प्रतिसा कालावधी (दिवसांमध्ये)
		ए. आय तत्व (गॅम%)	पदार्थ (मि.ली)			
सोयाबीन	एफिनोलोआ कोलोना, डिजिटरीया एस्सीपी., ईन्गुसार्डन इंडिका, डॉक्टिलोक्टैनियम एफिग्टिकम, ब्राचिआरिया रेक्टानस, कैमेलिना बेन्गालिनसिस, डायमरा अवेसिस, ट्रायथेमा एस्सीपी., फिलान्दस निरूरी, एक्लिका इंडिका, सिनेबा अराबिका	२५०	१०००	मातीत इष्टमण ओलावा असलेली तण २-५ पानाचे झाल्यावर लवकरच फवारीत करावी (एकदाच फवारवे)	५००	७१
भुईमूग	एफिनोलोआ कोलोना, डिजिटरीया एस्सीपी., ईन्गुसार्डन इंडिका, डॉक्टिलोक्टैनियम एफिग्टिकम, ब्राचिआरिया मुटिका, ईन्गुसिस विलोसस, डॉक्टिलोक्टा स्केडुलेता, क्लोरीस बाराटा, ट्रायथेमा एस्सीपी., डायमरा अवेसिस, क्लोओ विलोकोसा, फिलान्दस निरूरी, अम्मारथस थिरीडीस, सायपेरस एस्सीपी.	२५०	१०००	मातीत इष्टमण ओलावा असलेली तण २-५ पानाचे झाल्यावर लवकरच फवारीत करावी	५००	८२

वापरण्यासाठी शिफारस :

तणाची सक्रिय वाढ होत असताना, पेरणीनंतर लवकर फवारीत करण्यासाठी मातीत इष्टमण ओलावा असताना तण २-५ पानाचे झाल्यावर एकूण फवारवे.

वापरण्याची पध्दत :

फ्लॅट फॅन नोजल बसवलेले नॅपसॅक फवारीत पंपाने हे तणनाशक फवारवे. तणाच्या पालवीवर संपूर्णपणे फवारीत होईल असा पध्दतीने पुरेशा प्रमाणात पाणी घेऊन हे फवारवे.

दाट न देण्याचा उपाय :

एकसमान कृतीपध्दत असलेले तणनाशक वाचंवार फवारल्यामुळे तणा ह्या तणनाशकास कदाचित देवा देणार नाही. त्यामुळे एकसमान कृतीपध्दत असलेले तणनाशक पुढच्या हंगामात फवारू नका आणि आवश्यक असल्यास पुढच्या हंगामातही वेगळी कृतीपध्दत असलेले तणनाशक फवार। त्वाधिक कृतीपध्दतीमुळे तणनाशकाला दाट देण्याचा तणाचा नाश होऊ शकतो. असे तण ज्या शेतात उभवण्याची शक्यता आहे त्या शेतात एतलवक तण व्यवस्थापन उपाय करावा.

एचआरएसी गुण कोड: फोमेसाफेन (ई) आणि फ्लुआजिफॉप-पी-बुटील (ए)

रासायनिक वर्ग व कृतीपध्दत : फोमेसाफेन (डाइफेनिलेथर) प्रोटोपॅफोफेनोक्विन ऑक्सीडेसला प्रतिबंध करते आणि फ्लुआजिफॉप-पी-बुटील (अरलोक्सीफिनाक्विन-प्रोपीयोनेट) असिटेट सीओए कार्बोक्सिलेसला प्रतिबंध करते

सावधान्य देवण्याविषयी :

- हे किटकनाशक असलेले पाकिट अन्य वस्तू देवण्यासाठी असलेल्या खोलीपासून लांब, एका वेगळ्या खोलीत किंवा इमारतरीत आणि किटकनाशकाचे स्वरूप व प्रमाण ह्यानुसार वेगळ्या कपाटात कुल्लुबंद करून ठेवावे।
- किटकनाशक देवण्यासाठी असलेली खोली किंवा इमारत पक्क्या बांधकामाची, ओलावा नसलेली, भरपूर उरले असलेली व वायुयुजिन आणि एस्प्रेस असावी, म्हणजे बाष्पीभवनाचे हवा दूषित होणार नाही.

खरपतारी : फवारण्यासाठी द्रावण तयार करण्यासाठी स्वयंपाकाची भांडी वापरू नका. द्रावण दळवण्यासाठी काठी वापरा. द्रावण अंगावर, डोळ्यात किंवा कपड्यावर पडणार नाही ह्याची काळजी घ्या. द्रावण हाताळताना हालमोडे वापरा म्हणजे कातडीला स्पर्श होणार नाही. द्रावण हाताळताना संरक्षक कपडे, गोंगर, बूट वापरा. द्रावण फवारताना खाणे-पिणे किंवा धुपान करू नका. फवारीत झाल्यानंतर लगेचच कपडे बदला आणि साबण व पाण्याने आंघोळ करा. द्रावण हवा किंवा पाण्याच्या संपर्कात येऊ देऊ नका. मासळी असेल तिथे हे तणनाशक वापरू नका. आंगवारीत दूषित कपडे घुवा.

वापरलेल्या डब्याची विच्छेदनाः

- पाकिटे वापरल्यानंतर फोडून मानवी वस्तीपासून दूरवर जमिनीखाली गाडवावेत.
- वापरलेले डबे बाहेर उघडण्यावर फेकू नये कारण त्यांचा पुर्नवापर होण्याची शक्यता असते.
- वापरलेले पाकिटे, आंतरिक सामग्री व मशीनमधील पदार्थांची सुरक्षितपणे विच्छेदनाट लावावी, जेणेकरून त्यामुळे हवा पाणी दूषित होणार नाही.

विषधरता झाल्याची लक्षणे : बरे न राहणे, उलटी होणे, मांसपेशीत अशक्तपणा, श्वास घेताना जास होणे, घाय लागणे, लूथ घाम येणे, लघवीचे प्रमाण खूप कमी होणे अशी लक्षणे दिवू शकतात. औषध बऱ्याच प्रमाणात पोटात गेल्यास उलटी होणे, श्वासमागू चोंचणे व त्यानंतर घ्या लागणे व शुद्ध पदार्थ अशी लक्षणे दिवू शकतात. **प्रथमोपचार :** ल्या व्यक्तिला मोठ्याका हवेत ल्या आणि लवचें अंग गार पडणार नाही ह्याची काळजी घ्या. अंगावर पडल्यास दूषित कपडे काढा व साबानाने आंघोळ करा. डोळ्यात गेल्यास किलेक मिनिटे डोळ्यावर स्वच्छ पाण्याचे हलकारे मारा. पोटात गेल्यास बऱ्याच पाण्यात औषधीय कोळसा घालून ते वारंवार पायला घा व डोळ्यांतून न्यावी.

टिप : शुध्दीवर नसल्यास आकारी काढण्यास प्रवृत्त करू नका. तोंडावटे काहीही पायला देऊ नका.

प्रतीविष : उरविक्त प्रतीविष ठाऊक नाही. लक्षणांनुसार उपचार करा.

उत्पादक : सिंजेंटा इंडिया लि., अमर पंजाब, सर्व.नं. ११०/११/३, बानेर रोड, पुणे - ४२२ ०४५.

कॅबटरीचा पता :

निम्बुआ गाव, तहसील डेरा बारी, जिल्हा एस्एएस नगर (मोहाली), पंजाब - १४०२०१.

डुसिइलेक्स

डोमेसाइेन ११.१% व/व +

इंलोअिडोप-पी-ब्युटाईल ११.१% व/व ओसअेल
(निंदाभाणनाशक)

डोमेसाइेन ११.१% व/व + इंलोअिडोप-पी-ब्युटाईल ११.१% व/व ओसअेल अे चुनिंउट्टुव पश्री वपरनु निंदाभाणनाशक छे, व्नेनी भवामाणु सोयाबीन अने मणइगीना पाऊमां थता थस अने पदोवा पाननां अने निंदाभाणुना निरंनराणु माटे करवामां आवे छे.

रासायनिक संरचना:

डोमेसाइेन स.ध.:	११.१% व/व
इंलोअिडोप-पी-ब्युटाईल स.ध.:	११.१% व/व
ईमलिसिडायस : ड्रोपोबिभर भ्युटानोल पीओ/ईओ	७.११% व/व
डेस्टर ओईल अने ओथोबीन-ऑक्साईडनु इन्वन्सेशन टम्पाहन	११.१% व/व
ऑन्टिफ्रीज : पॉलिप्रथिलीन ग्लायकोल	१७.७८% व/व
प्रिअरवेटिव : १,२-बेन्जिसोथियाजोल-३(२ अेच)-एन (२०% डोवणुम तडिडि)	०.०५% व/व
न्यूवार्डिंजि अेवन्ट : सोडियम व्हाइड्रॉक्सा	

